

देवर भाभी की सुहागरात की चुदाई की कहानी

"दिन में तो मैं भाभी की चुदाई अक्सर कर लेता था लेकिन पूरी रात की चुदाई की लालसा मन में थी। तो देवर भाभी की सुहागरात की चुदाई की कहानी का

मजा लें।...

Story By: satyendra singh (ssatyendra001@gmail.com)

Posted: रविवार, अप्रैल 30th, 2017

Categories: भाभी की चुदाई

Online version: देवर भाभी की सुहागरात की चुदाई की कहानी

वेवर भाभी की सुहागरात की चुदाई की कहानी

मैं सत्या आप के सामने आज अपनी और भाभी के बीच चले दो महीने के रोमांस के बाद की एक ऐसी घटना का वर्णन कर रहा हूँ जो हर किसी इच्छा है।

हुआ यों कि मकान के काम चलने के बहाने से मेरी और भाभी की चुदाई की आदत बन गई और हम लोग किसी ना किसी बहाने से चुदाई करने लगे। लेकिन भाभी ने एक दिन मेरे मन की बात कर दी वो थी- सुहागरात! भाभी बोली- हम दोनों ने 'सुहागदिन' बीसियों बार मनाया है लेकिन कभी एक बार सुहागरात का भी सुख भोग लें!

यह सुनते ही मानो मेरी तो लॉटरी ही निकल पड़ी।, और हमारी किस्मत में वो दिन आ ही गया जिसका दो आत्माओं को बड़ी बेसब्री से इंतज़ार था।

एक दिन मेरे मुँह बोले भाई की फसल कटाई का काम शुरू हुआ और भाई और उनकी माँ अपने गाँव गये, भाभी से दो दिन बाद आने का बोल कर चले गये। भाई के पिताजी रेलवे में जॉब करते हैं तो उनका अक्सर आना जाना लगा रहता है लेकिन किस्मत से उनके पिताजी का अगले 20 दिन तक घर आने का कोई प्लान नहीं था इसलिए हम देवर भाभी को मौका मिल ही गया 'सुहागरात' मनाने का!

उसी दिन शाम को हमारा प्लान तैयार हुआ लेकिन रात को मुझे भाभी के पास जाने के लिए किसी बहाने की ज़रूरत थी, सेक्स के नाम पर बहुत बहाने याद आते हैं, तो मैंने अपने सबसे पुराने मित्र के यहाँ कुछ पढ़ाई करने जाने का बहाना बनाया और शाम को अपने घर से सीधा अपने दोस्त के घर जा पहुँचा, उसे अपनी कहानी सुनाई। उसने मेरी बात को समझते हुए मेरे घर से फोन आने पर मुझे बचा लेने का वादा किया क्योंकि वो सेक्स की कीमत जानता था क्योंकि उसकी भी एक गर्लफ्रेंड थी।

मेरा कम बन गया और मैं अपने मिशन की ओर बड़ी उमंग के साथ भागा और छुपते हुए भाभी के दरवाजे जा पहुँचा। दरवाजा खुला होने के कारण तुरंत अंदर दरवाजा बंद करते हुए दाखिल हुआ।

लेकिन जैसे मैं भाभी के कमरे तक पहुँचा तो भाभी की आवाज़ आई- मेरे देवर राजा, तुम जल्दी से बाथरूम में जाकर नहा लो और जो कुर्ता-पजामा वहाँ पर रखे हैं पहन कर आ जाओ!

मैं बगैर देर लगाए तुरंत नहा कर, नए कपड़े पहन कर भाभी के कमरे की तरफ भागा लेकिन जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, मैं उस स्वर्ग को देखकर पागल सा हो गया और उस स्वर्ग की अप्सरा को देखकर तो मेरा पप्पू लट्टू की तरह फूलकर हिचकोले खाने लगा।

उस दिन भाभी गुलाबी लहंगे में इतनी सुंदर लग रही थी जैसे कोई अप्सरा हो, जो कई धारावाहिकों में दिखाई जाती हैं, भाभी की सुंदरता में चार चाँद लगाने वाले उनके सुंदर आभूषण थे, जिसमें गले के दो सोने के हार, एक सोने का मंगलसूत्र, दो बाजूबंद, दो हाथों के फूल, कमर पर सोने का कमरबंद और पैरों की बड़ी-बड़ी पायल जो कई सारे छोटे छोटे घूँगरुओं की संग्रह थी।

मुझसे रहा नहीं गया, मैंने भाभी को अपनी बाहों में भर लिया लेकिन भाभी ने तभी मुझसे कहा- मेरे देवर जी, अब सुहागदिन की तरह जल्दबाजी ना करो, अब तो मैं तुम्हारे साथ पूरी रात रहूंगी, तो तुम जल्दी से ये दूध पी लो!

और मैंने एक अबोध बालक की तरह एक साँस में पूरा दूध पी लिया और भाभी को पकड़ा। तभी भाभी मुझसे बोली- तुम अब ब्रश करके आओ क्योंकि मुझे दूध से बहुत चिढ़ है।

मैं तुरंत ब्रश करके आ गया, भाभी से लिपट गया। मेरे स्पर्श के लिए तैयार भाभी मुझसे लिपट गई, मैं भाभी के होठों को अपने दाँतों से काटने लगा और उनकी चुची को बड़ी ज़ोर से मसलने लगा।

तभी मैंने भाभी के ब्लाउज की डोरी को खोल दिया, पीछे से भाभी के ब्रा का हुक खोल दिया, और भाभी की गोरी गोल चुची को आज़ाद करके चूसने लगा। भाभी उत्तेजना के शिखर की ओर अग्रसर होने लगी।

मुझसे अब एक पल रहा ही नहीं जा रहा था, मैंने भाभी के लहंगे की गाँठ को बड़े ज़ोर से खींचा, लहंगा तुरंत नीचे जा गिरा लेकिन मदहोश भाभी को यह पता भी ना चला। मैंने भाभी को बेड पर पटक दिया, अब भाभी सिर्फ़ गुलाबी रंग की की पेंटी में मेरे सामने थी और मैं पागलों की तरह भाभी के नंगे अंगों की चुसाई करने लगा।

मैंने भाभी की पेंटी में अपना हाथ डाला तो उनकी योनि पानी छोड़ने में व्यस्त थी, मैंने भी बगैर समय गंवाए उसके रसपान करने का सौभाग्य लिया और उस नमकीन से रस को पूरा चाट लिया, भाभी की योनि को चाट चाट कर बिल्कुल लाल कर दिया।

पहली रात के इस दृश्य से मेरे लंड ने बहुत सारा वीर्य छोड़ दिया और मैं कुछ समय के लिए अपने सेक्स के नये तरीके के बारे में सोचने लगा।

तभी मैंने भाभी से कुछ और सोने के आभूषण की माँग की लेकिन भाभी समझ नहीं पाई, और मुझे अपनी सासू माँ की अलमारी की चाबी देकर अपनी पसंद के आभूषण लाने को कहा। मैं गया तो अलमारी में एक बड़ा सा टिफिन रखा था जिसमें कई सारे आभूषण थे, मैंने उनमें से कानों के बड़े-बड़े झुमके निकाले और भाभी की चूत की बालियों को निकाला और उसमें उन झुमकों को पहना दिया, आज भाभी की योनि अपने अलग ही शवाब में थी जिसे देख कर मैं पागल हुआ जा रहा था।

मैं भाभी के कमरबंद से उनके नाभि प्रदेश से होते हुए उनके बड़ी सी नथ पहने मुखारविन्द को चूमने लगा और मेरा लंड फिर से अपने पूर्ण रूप में आ गया।

मैंने तभी भाभी की चूत से झुमकों को निकाला, अपने लिंग के सुपारे को उनकी चूत पर लगाया और बड़े ज़ोर का एक झटका लगाया तो उस कामरस से सराबोर योनि में मेरा सम्पूर्ण लिंग समाहित हो गया और मेरे तेज़-तेज़ धक्कों की मार से भाभी अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचने की कोशिश में उछल-उछल कर मेरा साथ देने लगी।

मैंने भाभी की टाँगों को अपने कंधों पर रखा और उनकी योनि में मेरा लिंग उनकी योनि की अंत तक की सीमा तक जा पहुँचा और उन्हें पूर्ण आनन्द की अनुभूति होने लगी। मेरे जोरदार झटकों की वजह से भाभी की इन पायलों की झनक सारे कमरे की दीवारों से टकरा कर पूरे कमरे में गुंजायमान होने लगी।

पायल की झंकार के साथ भाभी की सुंदर आहों का स्वर कमरे के माहौल को और भी अधिक शोभनीय बनाने लगा, भाभी के मुख से बरबस स्वर स्फुटित होने लगे- उम्म्ह... अहह... हय... याह... हाय चोद दो मेरे देवर राजा... मोटे लंड का स्वाद अच्छा लग रहा है हाय रे... आऽऽऽह ओऽऽऽह मेरे राजा... चोद डालो... हाऽऽऽय... जोर से...!

मैं उत्तेजना में धक्के लगाये जा रहा था और उनकी चूत का पानी फ़च फ़च की आवाज कर रहा था।

भाभी मुझे जकड़े जा रही थी... मुझे लगा कि भाभी अब झड़ने वाली हैं... मैंने उनकी

चुची से हाथ हटा दिया। यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

तभी भाभी ज़ोर से चिल्लाई- क्या कर रहे हो ? मसल डालो ना इन्हें... जल्दी... आऽऽऽह... मैं गई... आह रे... मेरा निकला...! मैं गई... राजा... मुझे कस लो...

भाभी ने अपनी कमर हिलानी शुरु कर दी, लंड पहले की भान्ति अन्दर बाहर होता रहा और मैं अथाह आनन्द में डूबने लगा।

लंड में प्यारी सी सरसराहट, गुलाबी सा मीठा मीठा सा मजा आने लगा, तेज़ धक्कों की रफ़्तार धीरी होने लगी और हल्के से धक्के लगने लगे, पर आह... कुछ ही देर में वो ढीला पड़ने लगा और मेरा वीर्यपात हो गया।

भाभी ने मुझे कसकर जकड़ लिया और हम दोनों काफ़ी देर उसी अवस्था में लेटे रहे।

इस तरह से मैंने रात को भाभी को तीन बार जम के चोदा और अपना पूरा वीर्य भाभी की योनि में छोड़ दिया और गर्भधारण का सही समय होने के कारण भाभी को गर्भ ठहर गया। सुबह भाभी के सभी गहनों को सही सलामत तरीके से रखवा कर अपने घर आ गया।

भाभी ने होने वाली औलाद का नामकरण करने का जिम्मा मुझे सौंप दिया। इस प्रकार मैं अपनी भाभी का असली पति बन बैठा।

और तब से अभी तक हम दोनों लोगों को दोबारा ऐसी सुहागरात की चुदाई करने मौका नहीं प्राप्त हुआ। हम लोग मकान के चक्कर में जल्दबाजी में सेक्स कर लेते हैं और भगवान से फिर सुहागरात जैसी एक और मदमस्त रात देने की विनती करते हैं।

अगर मेरे साथ कोई नई घटना हुई तो मैं अपने दोस्तों को इस बारे में ज़रूर बताऊँगा। आपको मेरी सुहागरात की चुदाई की कहानी कैसी लगी? मैं अपनी पहली कहानी में आप सभी से अच्छे दो नामों की माँग कर चुका हूँ (लड़का, लड़की)

आशा करता हूँ कि आप लोग मेरी माँग का जवाब ज़रूर देंगे। ssatyendra001@gmail.com

अभी समय काफ़ी है, इत्मिनान से जवाब देना!

आपका अपना सत्या

Other stories you may be interested in

भाभी जान की चूत चुदाई की शर्त

'भाभी आपकी चूत से कुंछ बह रहा है, क्या मैं चूस लूँ ?' 'बदमाश कहीं के हर समय शरारत ही सूझती है.. भाग इधर से !' मैंने कहा- भाभी सचमुच आप खुद देख लें ना !भाभी- अरे वो एक-दो बूंद पी होगा। [...] Full Story >>>

स्टेशन के बाहर मिली अनजान भाभी की चुत चुदाई उसके घर में

दोस्तो.. हिंदी सेक्स स्टोरी की साइट अन्तर्वासना मैं रेग्युलर पढ़ता हूँ, यह मुझे बहुत पसंद है। एक रात को मैं काम से लेट नाइट आ रहा था, उस वक्त कुछ 11 बजे थे। मैं स्टेशन से बाहर निकला तो देखा [...] Full Story >>>

मैंने देखा पापा चाची की चुदाई कर रहे थे-2

अब तक की इस चुदाई की कहानी में आपने पढ़ा.. पापा मेरी चाची को ऊपर उठा कर.. अपने दोनों हाथों को ब्रा खोलने के लिए उनकी पीठ पर ले गए। इस समय चाची पूरी मस्ती से पापा की बांहों में [...]
Full Story >>>

मेरे पति के भाई ने मेरी चुत की चुदाई करके प्यास बुझाई

दोस्तो, मेरा नाम प्रीति है, मैं दिखने में बहुत ही खूबसूरत हूँ। रंग एकदम दूध की तरह सफेद, गदराया जिस्म! मेरी लव मेरिज हुई थी, मेरे पित मुझसे बहुत प्यार करते थे। हम एक दूसरे बहुत सेक्स किया करते थे [...] Full Story >>>

मैंने देखा पापा चाची की चुदाई कर रहे थे-1

हैलो, मेरा नाम नितिन है.. मैं औरंगाबाद का रहने वाला हूँ। आज मैं आपको एक चुदाई की कहानी बताने जा रहा हूँ जो मेरी चाची की है। मेरी फैमिली में मेरे पापा-मम्मी, चाचा-चाची और उनका बेटा गुड्डू रहते हैं। एक [...]

Full Story >>>



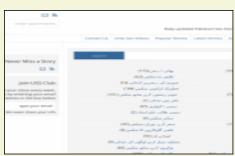
Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie



Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Urdu Sex Stories



Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Suck Sex



Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Delhi Sex Chat



Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Antarvasna Shemale Videos



Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Savitha Bhabhi



Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.